भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. +3582

सोमवार, 20 दिसम्बर, 2021/29 अग्रहायण, 1943 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

पश्चिम बंगाल में पर्यटन के विकास के लिए प्राथमिकता वाली परियोजनाएं

+3582. श्री दिलीप घोषः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने कि कृपा करेंगे किः

(क) पश्चिम बंगाल में पर्यटन के विकास के लिए प्राथमिकता वाली परियोजनाओं और उनके तहत पिछले पांच वर्षों के दौरान प्रदान की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार पर्यटन के विकास के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को कोई विशेष पैकेज प्रदान करती है और यदि हां, तो उक्त अवधि के दौरान प्रदान किए गए पैकेज का ब्यौरा क्या है;

(ग) उक्त परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करने के लिए सरकार द्वारा क्या निगरानी तंत्र स्थापित किया गया है; और

(घ) पश्चिम बंगाल में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा अन्य क्या उपाय किए जा रहे हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क): पर्यटन मंत्रालय, पश्चिम बंगाल सहित देश में पर्यटन की अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ शासित प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों को "स्वदेश दर्शन", "तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान पर राष्ट्रीय मिशन (प्रशाद) " और ''केंद्रीय एजेंसियों को पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए सहायता'' की योजनाओं के तहत वित्तीय सहायता प्रदान करता है। पश्चिम बंगाल राज्य में पर्यटन संबंधी अवसंरचना के विकास के लिए उपरोक्त योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं के विवरण अनुबंध में दिए गए हैं।

(ख): पर्यटन मंत्रालय पर्यटन के विकास के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को विशेष पैकेज स्वीकृत/प्रदान नहीं करता है।

(ग): पर्यटन मंत्रालय क्षेत्र निरीक्षणों और राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों के साथ समय-समय पर आयोजित समीक्षा बैठकों के माध्यम से परियोजनाओं की प्रत्यक्ष प्रगति की निगरानी करता है। इसके अलावा, पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन और प्रशाद योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए एक डैशबोर्ड विकसित किया है।

(घ): पर्यटन मंत्रालय भारत का एक समग्र गंतव्य के रूप में संवर्धन करता है और अपनी चल रही गतिविधियों के हिस्से के रूप में पश्चिम बंगाल सहित, देश के विभिन्न उत्पादों और पर्यटन स्थलों

को बढ़ावा देने के लिए 'अतुल्य भारत' ब्रांड लाइन के तहत घरेलू और अंतरराष्ट्रीय प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और ऑनलाइन मीडिया अभियान जारी करता है। मंत्रालय की वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से भी प्रचार किया जाता है। इसके अलावा, भारत और विदेशों में भारतपर्यटन कार्यालय विभिन्न राज्यों की पर्यटन क्षमता को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से विभिन्न प्रचार गतिविधियों का संचालन करते हैं।

******

अनुबंध

पश्चिम बंगाल में पर्यटन के विकास के लिए प्रमुख परियोजनाओं के संबंध में दिनांक 20.12.2021 को लोकसभा में उत्तर दिए जाने वाले लिखित प्रश्न संख्या +3582 के भाग (क) के उत्तर में **विवरण।**

स्वदेश दर्शन योजना **(करोड़ रुपए में)**

क्रमांक	**राज्य**	**सर्किट का नाम**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**	**जारी की गई राशि**
वर्ष 2015-16					
1.	पश्चिम बंगाल	तटीय सर्किट	तटीय सर्किट : उदयपुर-दीघा-शंकरपुर-ताजपुर-मंदरमणि-फ्रेजरगंज-बख्खलाई-हेनरी द्वीप का विकास	85.39	68.31

प्रशाद योजना **(करोड़ रुपए में)**

क्रमांक	**राज्य**	**परियोजना का नाम**	**परियोजना की लागत**	**जारी की गई राशि**
वर्ष 2016-17				
1.	पश्चिम बंगाल	बेलूर का विकास	30.03	23.39

पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता योजना (करोड़ रुपए में)

क्रमांक.	**राज्य**	**परियोजना का नाम**	**केंद्रीय एजेंसी**	**स्वीकृत राशि**	**जारी की गई राशि**
वर्ष 2017-18					
1.	पश्चिम बंगाल	रामपुरहाट रेलवे स्टेशन का संयुक्त विकास	रेल मंत्रालय	3.48	1.74
2.	पश्चिम बंगाल	तारकेश्वर रेलवे स्टेशन का संयुक्त विकास	रेल मंत्रालय	3.87	1.93
वर्ष 2019-20					
3.	पश्चिम बंगाल	न्यू जलपाईगुड़ी रेलवे स्टेशन का संयुक्त विकास	रेल मंत्रालय	4.55	2.27
4.	उत्तर प्रदेश (वाराणसी और	राष्ट्रीय जल मार्ग संख्या 1 और 2 पर नदी क्रूज	भारतीय अंतर्देशीय	28.03	7.01

	इलाहाबाद- I, इलाहाबाद- II), बिहार(भागलपुर), पश्चिम बंगाल (कोलकाता) और असम (नेमाटी, पांडु, जोगीघोपा और विश्वनाथघाट)	के आरोहण/उतरने के नौ (09) मुख्य स्थानों पर घाटों के विकास के लिए केंद्रीय वित्तीय सहायता	जलमार्ग प्राधिकरण (आई डब्ल्यू एआई)		

*****